MPVS 2021

मध्यप्रदेश विज्ञान सम्मेलन एवं प्रदर्शनी

भारत के स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव

विकसित प्रदेश • आत्मनिर्भर देश

DECEMBER 22 - 25, 2021 • IIT INDORE, (M.P.)

मध्यप्रदेश विज्ञान सम्मेलन एवं प्रदर्शनी

(MPVS - 2021)

17 संगोष्ठी एवं 3 कॉन्क्लेव

''स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव''

स्वतंत्रता संग्राम में भारतीय विज्ञान और वैज्ञानिकों का योगदान

केंद्रीय अवधारणा

विकसित मध्यप्रदेश एवं आत्मनिर्भर देश के लिए परंपरागत एवं आधुनिक विज्ञान के लिए पारिस्थितिकी तंत्र का विकास

दिसम्बर 22–25, 2021

स्थानः आईआईटी इन्दौर, मध्यप्रदेश

Visit us at: www.mpvs.in | www.vigyanbharatimp.in

Madhya Pradesh Council Of Science & Technology

स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर

भारत के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नेतृत्व करना और एक नई क्रांति की शुरुआत करने के लिए एक अभूतपूर्व आर्थिक विकास के परिणाम स्वरूप, भारत सरकार ने तकनीकी जनशक्ति की आवश्यकता को महसूस किया और आठ नए आईआईटी स्थापित करने का निर्णय लिया। उनमें से छह ने शैक्षणिक वर्ष 2008-09 से काम करना प्रारंभ किया। जो हैदराबाद, गांधीनगर, राजस्थान, रोपड़, पटना और भुवनेश्वर में स्थापित किए गए थे। आईआईटी, इंदौर और आईआईटी, मंडी ने जुलाई 2009 से कार्य करना शुरू किया।

आईआईटी, इंदौर शोध-उन्मुख अध्ययनों पर ध्यान केंद्रित करता है जो बेहतर कल की नींव रखता है। पढ़ाई के साथ-साथ, आईआईटी, इंदौर देश में व्याप्त सामाजिक, आर्थिक, जैविक मुद्दों को हल करने पर केंद्रित है। आईआईटी, इंदौर राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग (NIRF), मानव संसाधन मंत्रालय (शिक्षा मंत्रालय), सरकार द्वारा इंजीनियरिंग श्रेणी में 10 वें स्थान पर है। भारत ने अपने अस्तित्व के पहले दशक में अभूतपूर्व सफलता देखी है।

आईआईटी, इंदौर संस्थान में विश्व स्तरीय अनुसंधान प्रयोगशालाएँ, आधारभूत संरचनाएँ और सुविधाएँ हैं। अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों के अलावा, संस्थान ने सामाजिक उत्तरदायित्व में भी अभूतपूर्व काम किया है।

www.iiti.ac.in

विज्ञान भारती

भारत एक कल्याणकारी राज्य अवधारणा आधारित देश होने से अनेक चुनोतियों का सामना कर रहा है। जिसका समाधान भारतीय ज्ञान विज्ञान की समृद्ध विरासत एवं आधुनिक विज्ञान की उन्नति के समन्वय द्वारा संभव है। इस संदर्भ में विज्ञान भारती जो स्वदेशी की मूल भावना से विज्ञान प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में काम करने वाला विश्व का विशालतम संगठन है, की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

स्वदेशी विज्ञान आंदोलन भारतीय विज्ञान संस्थान (बेंगलुरु) के प्रोफेसर के.आई. वासु के मार्गदर्शन में देश के कुछ प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों द्वारा प्रारम्भ किया गया था। इस आंदोलन ने धीरे-धीरे गति प्राप्त की और राष्ट्रीय उपस्थिति के साथ एक संगठन के रूप में उभरा। 1991 में (अक्टूबर 20-21) को नागपुर में बैठक हुई, जिसमें अखिल भारतीय स्तर पर स्वदेशी विज्ञान आंदोलन शुरू करने का निर्णय लिया गया और इसका नाम विज्ञान भारती रखा गया।

विज्ञान भारती का मूल सिद्धांत स्वदेशी विज्ञान के विकास के लिए एक चेतना उत्पन्न करना है। स्वदेशी भावना के साथ एक गतिशील विज्ञान आंदोलन के रूप में, एक ओर पारंपरिक और आधुनिक विज्ञान को परस्पर जोड़ना, और दूसरी ओर प्राकृतिक और आध्यात्मिक विज्ञान का समन्वय बनाए रखना है। विज्ञान भारती का मूल उद्देश्य राष्ट्रीय आवश्यकताओं के अनुरूप विज्ञान के अनुप्रयोग को अनुकूलता प्रदान करना हैं। विज्ञान भारती की भारत वर्ष में कई इकाइयाँ हैं जो विभिन्न क्षेत्रों में स्वंयसेवी संस्थानों, स्वतंत्र संगठनों और परियोजना के रूप में भी कार्य करती हैं।

www.vigyanbharatimp.in

मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (MPCST), (मध्यप्रदेश सरकार)

मध्यप्रदेश काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेनोलॉजी की स्थापना मध्यप्रदेश सोसायटी रजिस्ट्रेशन एट, 1973 के तहत अक्टूबर 1981 में हुई थी। काउंसिल की सर्वोच्च निकाय साधारण सभा है और मुख्यमंत्री साधारण सभा के अध्यक्ष होते है। इसमें कुल 61 सदस्य हैं जिनमें विभिन्न विभागों के मंत्री और सचिव शामिल हैं जिनमें जल संसाधन, पीएचई, पीडब्ल्यूडी, वन, कृषि, उद्योग और तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रमुख हैं। इसके अलावा, विश्वविद्यालयों के 4 कुलपति, विज्ञान, समाजशास्त्र और चिकित्सा विज्ञान के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों को मुख्यमंत्री द्वारा सदस्य के रूप में नामित किया जाता है। राष्ट्रीय स्तर के अनुसंधान संगठनों के प्रतिनिधियों को भी नामित किया जाता है। दूसरी महत्वपूर्ण संस्था कार्यकारी समिति है जिसके अध्यक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के मंत्री हैं। समिति में 13 सदस्य होते हैं, जिसमें विधायक, शिक्षाविद्, वैज्ञानिक और प्रमुख सचिव आदि शामिल होते हैं।

www.mpcost.gov.in

संगोष्ठियां

1. विज्ञान नीति और प्रशासन
2. भारतीय ज्ञान परंपरा
3. कृषि प्रोद्योगिकी ,जैव विवधता संरक्षण एवं पारंपरिक ज्ञान
4. संपोषणीय जीवन उर्जा, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण
5. खगोल विज्ञान
6. विज्ञान शिक्षा
7. उद्योग-शैक्षणिक संस्थान संगोष्ठी एवं कैरियर के अवसर
8. अन्वेषण, नवाचार एवं स्टार्टअप
9. कॉपी राईट, ट्रेडमार्क, बोद्धिक सम्पदा का अधिकार
10. मध्यप्रदेश विज्ञान, पर्यटन
11. पारम्परिक एवं आधुनिक चिकित्सा
12. नवीनतम प्रौद्योगिकी
13. प्रदेश के वैश्विक वैज्ञानिक, टैक्नोक्रेट एवं चिकित्सक सत्र
14. विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी में लैंगिक समानता
15. उच्च शिक्षण संस्थानों में पारम्परिक विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी
16. संगीत एवं विज्ञान
17. खेल विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

कॉन्क्लेव

1. अक्षय ऊर्जा
2. फैबलेस एंड फैब सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम
3. सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई)

मध्यप्रदेश
विज्ञान सम्मेलन और प्रर्दशनी (MPVS - 2021)

दृष्टि वाक्य: विज्ञान और प्रौद्योगिकी द्वारा विकसित प्रदेश एवं आत्मनिर्भर देश।

मिशन: मध्यप्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री जी का, माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश बनाने का आह्वान है। आत्मनिर्भर भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका महत्वपूर्ण है। भारत एक विकासशील देश होने के नाते एक विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित होने के लिए सतत् प्रयत्नशील है। इन्हीं उद्देश्यों की पूर्ति के लिए मध्यप्रदेश विज्ञान सम्मेलन और प्रर्दशनी (MPVS-2021) 22-25 दिसम्बर 2021, विज्ञान भारती, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर एवं मध्यप्रदेश विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद के सहयोग से आयोजित हो रहा है। मध्यप्रदेश का विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में योगदान देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा।

स्वतंत्रता का 'अमृत महोत्सव' एक अवसर है जिसमें मध्य प्रदेश विज्ञान सम्मेलन (MPVS-2021) में हम स्वतंत्रता संग्राम में भारतीय विज्ञान एवं वैज्ञानिकों के योगदान को नमन करेंगे।

उद्देश्य: मध्यप्रदेश विज्ञान सम्मेलन (MPVS-2021) एक मंच हैं जिसमें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विभिन्न विषयों पर 17 संगोष्ठियां एवं 3 कॉन्क्लेव आयोजित है। इस सम्मेलन का उद्देश्य वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, नवीन आविष्कारों, कारीगरों, विद्यार्थियों, उद्योग एवं चिकित्सकों को एक मंच पर लाना एवं पारंपरिक और आधुनिक विज्ञान के विचारों का आदान-प्रदान करना है।

मध्यप्रदेश विज्ञान सम्मेलन (MPVS-2021) का मुख्य उद्देश्य मध्यप्रदेश के पारंपरिक और आधुनिक विज्ञान को आम लोगों के बीच पहुँचना है ताकि उनकी जीवनशैली और अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ किया जा सके। मध्यप्रदेश विज्ञान सम्मेलन (MPVS-2021) में मुख्य रूप से देश और प्रदेश के प्रमुख वैज्ञानिकों के व्याख्यान, गोलमेज चर्चा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी एवं तकनीकि नवाचार प्रमुख आकर्षण होंगे।

केंद्रीय अवधारणा: विकसित मध्यप्रदेश एवं आत्मनिर्भर देश के लिए परंपरागत एवं आधुनिक विज्ञान के लिए पारिस्थितिकी तंत्र का विकास।

संगोष्ठी

1. विज्ञान नीति और प्रशासन:

राज्य सरकारें स्वास्थ्य, जीवन की गुणवत्ता, स्वच्छता, गरीबी इत्यादि जैसी जटिल समस्याओं के समाधान हेतु काम कर रही हैं। विज्ञान और तकनीकी के सहयोग से इन समस्याओं का समाधान अधिक प्रभावी तरह से संभव हैं। इस प्रकार, विज्ञान नीति एक सेतु है जो सरकार और जनता को आपस में जोड़ता है। आर्दश विज्ञान नीति इन लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के हस्तक्षेप से संसाधनों के आवंटन, प्राथमिकता के क्षेत्रों की पहचान सुनिश्चित करने में नीति निर्माताओं की सुलभ सहायता प्रस्तुत करता है।

इस सत्र में विज्ञान के वित्त पोषण, वैज्ञानिकों के कॅरियर, वैज्ञानिक नीति बनाने में बाधाओं की पहचान, वैकल्पिक प्रशासनिक मॉडल की खोज जैसे विविध विषय शामिल होंगे। प्रतिस्पर्धात्मकता, आर्थिक विकास आधारित दिशात्मक विज्ञान नीति विकसित मध्यप्रदेश और आत्मनिभर्र देश के लिये आवश्यक है।

संयोजक	डॉ. प्रशांत कोडगीरे, *आईआईटी इंदौर*
सह-संयोजक	डॉ. पंकज सगदेव, *आईआईटी इंदौर* डॉ. राकेश कुमार आर्य, *एमपीसीएसटी* डॉ. अशोक शर्मा, *विज्ञान भारती* डॉ. अमित उदय, *विज्ञान भारती*

2. भारतीय ज्ञान परंपरा:

भारत की वैज्ञानिक विरासत बहुत समृद्ध है, हमारा वैज्ञानिक ज्ञान अधिकतर पाण्डुलिपियों, श्रुति और दैनिक व्यवहार के माध्यम से पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तांतरित हुआ है। यह सत्र भारतीय ज्ञान विज्ञान परम्परा के विभिन्न विषय के विशेषज्ञों के माध्यम से संचालित होगा ताकि विद्यार्थियों, वैज्ञानिकों तथा आमजन में भारतीय ज्ञान परम्परा के प्रति आकर्षण उत्पन्न हो। प्राचीन भारतीय विज्ञान के प्रमाणिक सत्र विशेषकार धातुकर्म, जल संरक्षण, कृषि एवं परम्पारिक चिकित्सा पद्धिति इत्यादि को समर्पित होगें। आधुनिक विज्ञान के संदर्भ में प्राचीन भरतीय वैज्ञानिकता की उपयोगिता तथा उपादेयता को समर्पित एक विशेष सत्र का आयोजन भी किया जायेगा तथा उन चुनोतियों का समाधान भी प्रस्तुत होगा जो राष्ट्र एवं विश्व इस संदर्भ में देख रहा है।

संयोजक	डॉ. जी.एस. मूर्ति, *आईआईटी इंदौर*
सह-संयोजक	डॉ. प्रिती शर्मा, *आईआईटी इंदौर* डॉ. राजेश शर्मा, *एमपीसीएसटी* डॉ. एम.एम.पी. श्रीवास्तव, *विज्ञान भारती* डॉ. के. व्यंकटेरमन, *विज्ञान भारती* श्री शेखर दिशावल, *विज्ञान भारती* डॉ. भूपेन्द्र भार्गव, *विज्ञान भारती* श्री राकेश शाह, *विज्ञान भारती*

3. कृषि प्रोद्योगिकी ,जैव विवधता संरक्षण एवं पारंपरिक ज्ञान :

खाद्यान की आत्म निर्भरता किसी भी विकसित देश के लिए अतिमहत्वपूर्ण घटक है। भारत की कृषि व्यवस्था ऐसे दोराहे पर है जहाँ एक और नागरिकों की भोजन सुरक्षा ग्यारंटी है वहीं दूसरी और कृषि क्षेत्र में विश्व स्तर पर हो रहे आधुनिक अन्वेषणों का इन क्षेत्रों में प्रयोग भी आवश्यक प्रतीत होता है। यह सत्र पारम्परिक किसान, अकादमिक शोधकर्ता, कृषि उद्यमियों तथा नीति निर्धारकों को एक मंच पर लाने का प्रयास करेगा ताकि कृषि क्षेत्र का वर्तमान परिदृश्य आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रयोगों से आर्थिक उन्नति करें एवं इसकी जैव विविधता तथा पर्यावरण को भी प्रभावित न करे एवं सुदृढ़ परिस्थितिकी तंत्र विकसित हो।

संयोजक	डॉ. अभिजीत जोशी, *आईआईटी इंदौर*
सह-संयोजक	डॉ. बिबेकानंद मांझी, *आईआईटी इंदौर* डॉ. जी.डी बैरागी, *एमपीसीएसटी* डॉ. सुनील चतुर्वेदी, *विज्ञान भारती* डॉ. सौरभ गुप्ता, *विज्ञान भारती* श्री संतोष पटेल, *विज्ञान भारती*

4. संपोषणीय जीवन उर्जा, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण:

आत्मनिर्भरता एवं उर्जा सतत विकास में एक ही सिक्के के दो पहलू है। पर्यावरण की दृष्टि से विश्व इस समय दो महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना कर रहा है, प्रथम बढ़ती उर्जा खपत तथा दूसरा पर्यावरण पर इसका दूष्प्रभाव। समस्या का व्यवहारिक समाधान संपोषित विकास अवधारणा से संभव है। सत्र में संपोषित उर्जा विकल्पों विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों हेतु विज्ञान एवं आधुनिक तकनीकों के माध्यम से समाधान प्रस्तुत करने का प्रयास किया जाऐगा।

संयोजक	डॉ. संदीप चौधरी, *आईआईटी इंदौर*
सह-संयोजक	डॉ. प्रिती शर्मा, *आईआईटी इंदौर* डॉ. शरद गुप्ता, *आईआईटी इंदौर* डॉ. साक्षी भारद्वाज, *विज्ञान भारती* डॉ. मनोज राठौर, *एमपीसीएसटी* डॉ. अमोद्य गुप्ता, *विज्ञान भारती* डॉ. मानीता सक्सेना, *विज्ञान भारती* श्री राजीव पहावा, *विज्ञान भारती*

5. खगोल विज्ञान:

मध्यप्रदेश में खगोल विज्ञान का अपना समृद्ध इतिहास है, विशेष रूप से उज्जैन काल गणना का विश्व का प्राचीनतम केन्द्र है। पारंपरिक और आधुनिक वैज्ञानिक ज्ञान का समन्वय खगोल विज्ञान के क्षेत्र में मध्यप्रदेश को विश्वस्तरीय पहचान दिलाने में मदद करेगा। यह सत्र प्रतिभागियों को मध्यप्रदेश के खगोल विज्ञान के समृद्ध इतिहास से अवगत कराने का अवसर प्रदान करेगा।

संयोजक	डॉ. अभिरूप दत्ता, *आईआईटी इंदौर*
सह-संयोजक	डॉ. राजेश टेलर, *विज्ञान भारती* डॉ. रणवीर सिंह *आईआईटी इंदौर* डॉ. भूपेश सक्सेना, *एमपीसीएसटी* डॉ. अखिलेश तिवारी, *विज्ञान भारती*

6. विज्ञान शिक्षा:

विज्ञान एवं तकनीकी का उन्नयन राष्ट्र विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण है। मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था के विकास में विज्ञान शिक्षा का महत्व सर्वोपरि है। इस सत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को आधुनिक शिक्षा तकनीक तथा इसके संसाधनों से परिचित कराना है, सत्र का यह भी उद्देश्य है कि विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति जागरूकता तथा तार्किक क्षमता का विकास हो, साथ ही विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों का विकास भी हो। विद्यार्थियों एवं विज्ञान शिक्षकों को विज्ञान क्षेत्र में आकर्षक करियर संभावना से परिचित कराना भी एक मुख्य उद्देश्य है।

संयोजक	डॉ. हरीकृष्णा यादव, *आईआईटी इंदौर*
सह-संयोजक	डॉ. विनोद कुमार, *आईआईटी इंदौर* डॉ. राजेश कुमार, *आईआईटी इंदौर* डॉ. टी. हबीब, *एमपीसीएसटी* डॉ. रजनीश त्रिवेदी, *विज्ञान भारती* डॉ. मुकेश निगम, *विज्ञान भारती* डॉ. आशीष जोशी, *विज्ञान भारती* श्री पंकज नागर, *विज्ञान भारती*

7. उद्योग–शैक्षणिक संस्थान संगोष्ठी एवं कैरियर के अवसर:

विकसित देशों में शैक्षणिक संस्थान, शोध प्रयोग शालाओं एवं उद्योग जगत के बीच प्रभावी एवं नियमित सम्पर्क रहने से विकास को सही दिशा प्राप्त हुई है। भारत में उद्यमियों एवं शैक्षणिक जगत के बीच परस्पर सम्पर्क बढ़ाने की आवश्यकता है। शिक्षण तथा शोध में उद्योगो की अवश्यकतानुसार परिवर्तन करने से हम अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक रूप से सुदृढ हो सकेगे। इस सत्र में उद्योग जगत तथा शैक्षणिक जगत के प्रतिभागी परस्पर चर्चा करेंगें तथा रोजगार के नये अवसरों को प्राप्त करने का प्रयास किया जाऐगा।

संयोजक	डॉ. अभिषेक राजपूत, *आईआईटी*
सह-संयोजक	डॉ. चंद्रेश कुमार मोर्य, *आईआईटी* डॉ. मुकेश कुमार, *आईआईटी* डॉ. पी.के. दिघर्रा, *एमपीसीएसटी* श्री मनीष शाह, *विज्ञान भारती* श्री राम नरहटे, *विज्ञान भारती* इंजी. रोहन सक्सेना, *ईडी.एमपीआईडीसी, एमपी*

8. अन्वेषण, नवाचार एवं स्टार्टअप :

सत्र स्टार्टअप को अपनी उपलब्धियों के प्रदर्शन के लिए एक सांझा मंच प्रदान करेगा। नीति निर्धारकों, शोधकर्ताओं तथा इनोवेटर के मध्य विचार–विमर्श भी सत्र का प्रमुख उद्धेश्य है इसमें स्टार्टअप के लिए उपयुक्त वातावरण का निर्माण, तकनीकी उद्यमियों को बढ़ावा देना, स्टार्टअप को संवर्धन प्रदान करना, नई लागत बचत (फ्लूगल) तकनीकों का विस्तार करना इत्यादि प्रमुख विषय है।

संयोजक	डॉ. अविनाश सोनवणे, *आईआईटी इंदौर*
सह-संयोजक	डॉ. स्वामीनाथन आर., *आईआईटी इंदौर* डॉ. सरोज बोकिल, *एमपीसीएसटी* डॉ. अर्पण भारद्वाज, *विज्ञान भारती* इंजी. सहयोग तिवारी, *विज्ञान भारती* इंजी. राजेश विश्वकर्मा, *विज्ञान भारती*

9. कॉपी राईट, ट्रेडमार्क, बोद्धिक सम्पदा का अधिकार:

सतत् नवाचार अधिक विकास का आधार है, उन्नत वैज्ञानिक एवं तकनीकी ज्ञान हमारे देश की संपदा हैं, इसका कानूनी संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। नीति निर्धारकों का यह दायित्व है कि न सिर्फ हमारी वैज्ञानिक तथा तकीनीकी ज्ञान का संरक्षण हो वरन हमारें पारंम्परिक ज्ञान, कला, कारीगर तथा छोटे उद्यमियों को बेहतर आर्थिक विकास के अवसर प्राप्त हो। सत्र में विभिन्न बोद्धिक सम्पदाओं की जानकारी प्रतिभागियों को प्रदान की जायेगी ताकि बोद्धिक संपदा के प्रति जनमानस की जागरूकता में वृद्धि हो एवं इसका उपयोग देश के आर्थिक विकास में भी सहायक हों।

संयोजक	डॉ. रुचि शर्मा, *आईआईटी इंदौर*
सह-संयोजक	डॉ. राम सजीवन मोर्य, *आईआईटी इंदौर* डॉ. एन.के. चौबे, *एमपीसीएसटी* डॉ. जितेंद्र भावसार, *विज्ञान भारती*

10. मध्यप्रदेश विज्ञान, पर्यटन :-

अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण मध्यप्रदेश देश का हृदय स्थल है। ऐतिहासिक इमारतें, प्राचीन किले, मंदिर, एवं लुप्त होती प्रजातियों की अनेक वनस्पति यहां के जंगलों में उपलब्ध है। प्रदेश में अनेक राष्ट्रीय पार्क एवं वाईल्ड लाईफ सेंचुरी है। साँची, भीम बैटका, तथा खजुराहो विश्व आर्थिक धरोहर भी है। उपर्युक्त कारणों से मध्यप्रदेश पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र रहा है। सत्र इन ऐतिहासिक महत्व के स्थलों की वैज्ञानिक पृष्ठभूमि के संदर्भ में विषय-विशेषज्ञों को आमंत्रित कर वैज्ञानिक दृष्टिकोण को प्रमुखता प्रदान करेगा ताकि विज्ञान पर्यटन का विकास हो तथा नये रोजगार का सृजन हो।

संयोजक	डॉ. चेल्वम वेंकटेश, *आईआईटी इंदौर*
सह-संयोजक	डॉ. मरीजेन्द्र दुबे, *आईआईटी इंदौर* डॉ. जे.पी. शुक्ला, *एएमपीआरआई, भोपाल* श्री पी.एस. भल्ला, *एमपीसीएसटी* डॉ. प्रमोद सेठिया, *विज्ञान भारती* डॉ. रमण सोलंकी, *विक्रम विश्व विद्यालय, उज्जैन*

11. पारम्परिक एवं आधुनिक चिकित्सा :

भारतीय पारम्परिक चिकित्सा पद्धितियां जो मुख्यत: दिनचर्या एवं जीवन चर्या संबंधी बीमारियों में बहुत कारगर हैं किन्तु इनके प्रति उपेक्षा का भाव रहा है हालांकि कोविड-19 के रोकथाम में सम्पूर्ण विश्व ने आयुर्वेद, प्रकृति चिकित्सा तथा योग के महत्व को स्वीकारा है। मध्यप्रदेश पारम्परिक चिकित्सा तथा औषधि की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध प्रदेश है। सत्र में आधुनिकता के इस दौर में भारतीय चिकित्सा पद्धिति के महत्व को प्रमाणिक रूप से रेखांकित करने का प्रयास होगा। पारम्परिक चिकित्सा तथा आधुनिक चिकित्सा पद्धिति के समन्वय द्वारा बेहतर मानव स्वास्थ्य के लिए एक माडल प्रस्तुत किया जाना अब समय की आवश्यकता है। इस हेतु एलोपेथी चिकित्सकों, आयुर्वेद चिकित्सकों तथा प्रकृति परीक्षण विशेषज्ञों को परस्पर चर्चा हेतु प्रेरित किया जाऐगा।

संयोजक	डॉ. हेम चंद्र झा, *आईआईटी इंदौर*
सह-संयोजक	डॉ. अमित कुमार, *आईआईटी इंदौर* डॉ. पारीमलकर, *आईआईटी इंदौर* डॉ. राजेश शर्मा *एमपीसीएसटी* डॉ. राजेश शर्मा, *डीएवीवी, इंदौर* डॉ. प्रशांत तिवारी *विज्ञान भारती* डॉ. पी.एस. ठाकुर, *एमजीएम, इन्दौर* वैद्य लोकेश जोशी, *आरोग्य भारती* डॉ. अरविंद घनघोरिया, *एमजीएम, इन्दौर* वैद्य प्रज्ञान त्रिपाठी, *विज्ञान भारती*

12. नवीनतम प्रौद्योगिकी :

नवीनतम प्रोद्योगिकी तकनीकों ने मानव के जीवन को बहुत प्रभावित किया है। विज्ञान एवं तकनीकि का यह क्षेत्र अत्यंत द्रुत गति से विकसित हो रहा है जैसेः- क्वांटम कम्प्यूटिंग, क्लाउड कम्प्यूटिंग, रोबोटिक्स, प्रोसेस ऑटोमेशन, डाटा साइंस, AR, MR & VR, AI, IoT तथा स्मार्ट शहर अवधारणा इस सत्र के प्रमुख विषय है। विभिन्न क्षेत्रों के शीर्षस्त विशेषज्ञयों को आमंत्रित कर उनके व्याख्यान इन नवीनतम तकनीकों पर आयोजित किया जाना प्रस्तावित है।

संयोजक	डॉ. राम बिलास पचोरी, *आईआईटी इंदौर*
सह-संयोजक	डॉ. सोमनाथ डे, *आईआईटी इंदौर* डॉ. रवि शिंदल, *आईआईटी इंदौर* डॉ. अपूर्व गायकवाड़, *एसजीएसआईटीएस इंदौर* डॉ. आर.के. गर्ग, *एमपीसीएसटी* डॉ. उमेश सिंह, *विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन* डॉ. शिवलाल मेवाड़ा, *विज्ञान भारती* डॉ. अभय कुमार, *दे.अ.वि.वि. इंदौर* इंजी. संजीव शर्मा, *विज्ञान भारती*

13. प्रदेश के वैश्विक वैज्ञानिक, टैक्नोक्रेट एवं चिकित्सक सत्र :

प्रदेश में अनेक शिक्षण संस्थानों से शिक्षा प्राप्त बड़ी संख्या में वैज्ञानिक, टेक्नोक्रेट, चिकित्सक विश्व स्तर एवं राष्ट्रिय स्तर पर प्रदेश का नाम गौरवान्वित कर रहे हैं। ऐसे प्रदेश के सपूतों को आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण में योगदान प्रदान करने हेतु यह सत्र आयोजित है। प्रदेश के वैश्विक वैज्ञानिक अपने ज्ञान, अनुभव तथा संसाधनों से प्रदेश के विकास में योगदान देने हेतु आमंत्रित है।

संयोजक	डॉ. वैभव नीमा, *आईईटी, दे.अ.वि.वि. इंदौर*
सह-संयोजक	डॉ. हेमेन्द्र सिंह परमार, *देअविवि. इंदौर* डॉ. रजनिंश मिश्रा, *आईआईटी इंदौर* डॉ. पवन कुमार कानकर, *आईआईटी इंदौर* डॉ. सुनील कुमार गर्ग, *एमपीसीएसटी* डॉ. कृष्णाकांत धाकड़, *एसजीएसआईटीएस इंदौर* डॉ. मनोज गुप्ता, *मेदांता हॉस्पिटल इंदौर*

14. विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी में लैंगिक समानता:

विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी के क्षेत्र में लैंगिक आसमानता एक बड़ी चुनोती है जो देश के विकास को प्रभावित करता है। आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण के लिए यह आवश्यक है कि ज्यादा से ज्यादा महिला वैज्ञानिकों, उद्यमियों को प्रोत्साहित किया जाए। सत्र में विज्ञान प्रोद्योगिकी क्षेत्र में लैंगिक समानता विषय पर चर्चा प्रस्तावित है।

संयोजक	डॉ. अरुणा तिवारी, *आईआईटी इंदौर*
सह-संयोजक	डॉ. निर्मला मेनन, *आईआईटी इंदौर* डॉ. अनिता तिलवारी, *एमपीसीएसटी* डॉ. रेखा आचार्य, *देअविवि इंदौर* डॉ. प्रिती शर्मा, *विज्ञान भारती* डॉ. चित्रलेखा कडेल, *विज्ञान भारती* डॉ. प्रिया त्रिवेदी, *विज्ञान भारती* डॉ. मोना गुप्ता, *विज्ञान भारती*

15. उच्च शिक्षण संस्थानों में पारम्परिक विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी :

किसी भी देश एवं प्रदेश का विकास विज्ञान एवं प्रोद्यागिकी के विकास पर निर्भर है हमारे पारम्परिक ज्ञान जैसे आयुर्वेद, योग, पुरातत्व, वास्तुकला इत्यादि मे वैज्ञानिक मूल्यों, सिद्धांतों का बहुआयामी दृष्टिकोण रहा है। उच्चशिक्षा मध्यप्रदेश सरकार की सदैव से प्राथमिकता रही है पारम्परिक ज्ञान एवं आधुनिक विज्ञान शिक्षण का मध्यप्रदेश में गौरवशाली इतिहास है। सत्र में नीति निर्माताओं, पाठ्यक्रम निर्माताओं, शिक्षा विदों, स्टार्टअप, उद्यमी तथा संस्थागत प्रतिभागियों से नई शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में ऐसे पाठ्यक्रम निर्माण पर चर्चा की जा सकेगी जिसमें परम्परागत विज्ञान एवं आधुनिक विज्ञान का तार्किक समन्वय हो।

संयोजक	डॉ. रश्मि दाहिमा, *दे.अ.वि.वि. इंदौर*
सह-संयोजक	डॉ. नीलम सत्यम, *आईआईटी इंदौर* डॉ. सत्या एस. बुलुसु, *आईआईटी इंदौर* डॉ. विवेक कटारे, *एमपीसीएसटी* डॉ. आर.के. तुगनावत, *विज्ञान भारती* डॉ. प्रदीप शर्मा, *विज्ञान भारती* डॉ. डी.के. शर्मा, *होलकर कॉलेज इंदौर* डॉ. सुधीर जैन, *विक्रम विश्वविद्यालय*

16. संगीत एवं विज्ञान :

भारतीय शास्त्रीय संगीत का विश्व में सम्मान जनक स्थान है। सर्वविदित है संगीत, कला एवं विज्ञान के समन्वय का अनुपम उदाहरण है। भारतीय शस्त्रीय संगीत, गणितीय अवधारणा पर आधारित विज्ञान है। भारतीय शास्त्रीय संगीत का प्रभाव मानव एवं पर्यावरण पर निविर्वाद रूप से परिलक्षित होता है। प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिक सी.वी रमन, ने भारतीय वाद्य यंत्र मृदंग, तबला इत्यादि का वैज्ञानिक स्तर पर अध्ययन किया है। सत्र में प्रतिभागी संगीत में विज्ञान विषय पर विषय विशेषज्ञों से नई दृष्टि प्राप्त करेगें।

संयोजक	डॉ. गिरीश चंद्र वर्मा, *आईआईटी इंदौर*
सह-संयोजक	डॉ. अभिनय सिंह, *आईआईटी इंदौर* श्री डी.के. सोनी, *एमपीसीएसटी* डॉ. अभय पालीवाल, *एमजी मेडिकल कॉलेज इंदौर* डॉ. शैलेन्द्र शर्मा *विज्ञान भारती* डॉ. अनिल प्रजापति *विज्ञान भारती*

17. खेल विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी :

स्वस्थ तन में ही स्वस्थ मन का निवास होता है। खेल, फिटनेस और स्वास्थ्य में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के हस्तक्षेप के साथ यह अवधारणा अधिक उपयोगी सिद्ध हो सकती है। पारंपरिक और आधुनिक खेल में विज्ञान का मेल, रोजगार के नये अवसरो के साथ इस क्षेत्र में नए युग की शुरुआत कर सकता हैं।

इस सत्र में, प्रतिभागियों को प्रसिद्ध खिलाडियों, शोधकर्ताओं, नवोन्मेषकों, शैक्षणिक विशेषज्ञों तथा खेल उद्योग के पेशेवरों के साथ बातचीत करने का अवसर मिलेगा। आमंत्रित वार्ता, पैनल चर्चा, पारंपरिक और आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी आधारित शारीरिक और मानसिक फिटनेस उपकरण/प्रदर्शन योग्य प्रोटोटाइप/उत्पाद का प्रदर्शन सत्र के मुख्य आकर्षण होगें।

संयोजक	डॉ. त्रिदिप कुमार शर्मा, *आईआईटी इंदौर*
सह-संयोजक	डॉ. ललीत बोराना *आईआईटी इंदौर* डॉ. शेख एम. मोबीन *आईआईटी इंदौर* डॉ. रेंचो टी. *आईआईटी इंदौर* डॉ. ब्रजेश द्विवेदी, *आईआईटी इंदौर* डॉ. विकास कौशिक, *आईआईटी इंदौर* डॉ. दीपक मेहता, *दे.अ.वि.वि. इंदौर* डॉ. आशिष पूलकर *एलएनआईपीई ग्वालियर* डॉ. विवेक बी. साठे *दे.अ.वि.वि. इंदौर* डॉ. आलोक मिश्रा *बरकतुल्ला विश्वविद्यालय* डॉ. निश्चल यादव *वि.वि.वि. उज्जैन* श्री घनश्याम परमार *विज्ञान भारती*

अक्षय ऊर्जा

ऊर्जा का पर्यावरण, स्थिरता और मानव विकास के साथ महत्वपूर्ण संबंध है। एक आम आदमी की वृद्धि काफी हद तक ऊर्जा संसाधनों की उपलब्धता, सामर्थ्य और स्थिरता पर निर्भर करती है। इसलिए, यह सोचना जरूरी है: 'हम बढ़ती ऊर्जा मांगों को कैसे पूरा करेंगे? हमारे पास क्या विकल्प हैं? क्या भविष्य के लिए व्यवहार्य दीर्घकालिक समाधान हैं?' प्रस्तावित ऊर्जा सम्मेलन इन मुद्दों को संबोधित करने के लिए चर्चा और रणनीतिक योजना के लिए एक आदर्श मंच प्रदान होगा।

केंद्रित क्षेत्र: अक्षय ऊर्जा और उसके भविष्य में वर्तमान रुझान; ऊर्जा की व्यय; जैव ईंधन और जैव ऊर्जा; सौर और पवन ऊर्जा; हाइब्रिड अक्षय ऊर्जा; ऊर्जा भंडारण, उत्पादन और पारेषण, ऊर्जा संबंधी नीति इत्यादि विषयों पर चर्चा प्रस्तावित है।

आपको शामिल होना चाहिए यदि आप हैं: अकादमिक और उद्योग के शोधकर्ता और नवप्रवर्तनक, सहयोगी कार्य की तलाश में, ऊर्जा से संबंधित व्यवसायों के पेशेवर, वाणिज्यिक और विनिर्माण इकाई, अक्षय ऊर्जा उत्पाद और सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनी, सरकारी विभाग और वाणिज्यिक इकाई, संघ, समाज और पेशेवर निकाय, फंडिंग एजेंसियां और फंड उठाने वाले, निर्णय लेने वाले और नीति निर्माता इत्यादि आमंत्रित है।

~ गतिविधियां ~

विशेषज्ञ व्याख्यान, समूह चर्चा,
सहयोगात्मक जुड़ाव, उत्पाद / विचार प्रदर्शन

~ समन्वयक ~

डॉ अजय कुमार कुशवाहा, डॉ सुनील कुमार
डॉ. श्रीमंत पाखीरा, आईआईटी इंदौर
E-mail: madhyapradeshvsgmail.com
फोन: +91-731-6603301

फैबलेस एंड फैब सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम

आत्मनिर्भर भारत के लिए, आने वाले वर्षों में देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए फैबलेस और फैब सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम की प्रमुख भूमिका निभाने की उम्मीद है। यह क्षेत्र बहुत ही रणनीतिक बन गया है और इसका जबरदस्त आर्थिक प्रभाव है। लेकिन भारत दुनिया भर के अन्य देशों की तुलना में सेमीकंडक्टर निर्माण में पीछे है। हाल ही में, देश ने भंडारण और प्रसंस्करण में शामिल महत्वपूर्ण और गैर-महत्वपूर्ण घटकों और चिप्स के डिजाइन और निर्माण की आवश्यकता महसूस की, और यह हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, विभिन्न क्षेत्रों के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर आवश्यकताएं भारत की अर्थव्यवस्था के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण हैं, लेकिन दुर्भाग्य से, हम अभी आयात पर निर्भर हैं। इसके अलावा, भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास के लिए देश में फैबलेस सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम की समय-समय पर मूल्यांकन किए जाने की जरूरत है। इसलिए कॉन्क्लेव समय की जरूरत को पूरा करता है। प्रतिभागियों को मध्य प्रदेश और भारत में फैबलेस और फैब सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए पूरे स्पेक्ट्रम हासिल करने की उम्मीद है।

कौन शामिल हो सकता है: उद्योग / सरकार / वैज्ञानिकों / प्रोफेसर/ नीति निर्माताअ/ शोधकर्ताअ/ स्टार्टअप्स / छात्रों / उक्त क्षेत्र में रुचि रखने वाले कोई भी व्यक्ति में फैब और फैबलेस पहल में शामिल पेशेवर।

~ गतिविधियां ~

विशेषज्ञ व्याख्यान, समूह चर्चा,
सहयोगात्मक जुड़ाव, उत्पाद / विचार प्रदर्शन

~ समन्वयक ~

डॉ संतोष कुमार विश्वकर्मा, डॉ अजय कुमार कुशवाहा,
डॉ मुकेश कुमार और डॉ शैबल मुखर्जी, आईआईटी इंदौर
E-mail: madhyapradeshvsgmail.com
फोन: +91-731-6603301

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई)

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई), भारत सरकार द्वारा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (एमएसएमईडी) अधिनियम, 2006 के साथ समझौते में शुरू किया गया है, जो वस्तुओं और वस्तुओं के उत्पादन, निर्माण, प्रसंस्करण या संरक्षण में लगे हुए हैं। एमएसएमई क्षेत्र को भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है जिसने राष्ट्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यह रोजगार के अवसर पैदा करता है और पिछड़े और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में काम करता है। इसलिए, एमएसएमई क्षेत्रों को सशक्त बनाने के लिए मध्य प्रदेश में भी इस तरह के सम्मेलन का आयोजन करना समय की मांग है। एमएसएमई सम्मेलन प्रतिनिधियों को एमएसएमई पहल के विभिन्न पहलुओं और एमएसएमई की जरूरतों को पूरा करने के लिए रणनीतिक योजना पर चर्चा करने का अवसर प्रदान करेगा।

कौन शामिल हो सकता है: एमएसएमई क्षेत्रों में शामिल पेशेवर / सरकार / वैज्ञानिक / प्रोफेसर / नीति निर्माता / शोधकर्ता / छात्र / एमएसएमई क्षेत्रों में रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति।

~ गतिविधियां ~

विशेषज्ञ व्याख्यान, समूह चर्चा,
सहयोगात्मक जुड़ाव, उत्पाद / विचार प्रदर्शन

~ समन्वयक ~

डॉ विमल भाटिया, डॉ नागेंद्र कुमार, डॉ जयप्रकाश मुरुगेसानी
आईआईटी इंदौर
E-mail: madhyapradeshvsgmail.com फोन: +91-731-6603301

पंजीकरण: एमपीवीएस-2021 में पंजीकरण के लिए, कृपया हमारी वेबसाइट http://www.mpvs.in/ पर जाएं। शुल्क में सभी एमपीवीएस-2021 सत्र और कॉन्क्लेव तक पहुंच शामिल है। पंजीकरण की अंतिम तिथि 30 नवंबर, 2021 है।

मुख्य संरक्षक

श्रीमति सुमित्रा महाजन
पूर्व लोकसभा अध्यक्ष

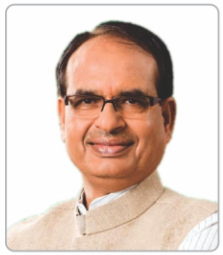

श्री शिवराज सिंह चौहान
माननीय मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश शासन

श्री धमेन्द्र प्रधान
माननीय शिक्षा मंत्री, भारत सरकार

डॉ. जितेन्द्र सिंह
माननीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री, भारत सरकार

संरक्षक

श्री ओमप्रकाश सखलेचा माननीय केबिनेट मंत्री, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, आईटी एवं एमएसएमई मध्यप्रदेश सरकार
प्रो. शंकर तत्ववादी संरक्षक, विज्ञान भारती
डॉ. विजय पी. भटकर राष्ट्रीय अध्यक्ष, विज्ञान भारती
प्रो. निलेश कुमार जैन निदेशक (प्रभारी), आईआईटी, इन्दौर (म.प्र.)

प्रेरणास्त्रोत

श्री जयंत सहस्त्रबुद्धे राष्ट्रीय संगठन सचिव, विज्ञान भारती
प्रो. सुधीर एस. भदोरिया राष्ट्रीय महासचिव, विज्ञान भारती
श्री प्रवीण रामदास राष्ट्रीय सचिव, विज्ञान भारती

सलाहकार समिति

डॉ. अनिल कोठारी महानिदेशक, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, मध्यप्रदेश सरकार
प्रो. भारत शरण सिंह अध्यक्ष मध्य प्रदेश निजि विश्वविद्यालय नियामक आयोग, भोपाल (म.प्र.)
डॉ. रविन्द्र कन्हरे अध्यक्ष, एएफआरसी, (म.प्र.)
प्रो. अखिलेश पांण्डेय कुलपति, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)
प्रो. सुनील गुप्ता कुलपति, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)
प्रो. रेणू जैन कुलपति, दे.अ.वि.वि., इन्दौर (म.प्र.)
प्रो. तृप्ता ठाकुर महानिदेशक राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण प्रतिष्ठान, फारीदाबाद, हरियाणा
प्रो. राकेश सक्सेना निदेशक, एसजीएसआईटीएस, इन्दौर (म.प्र.)
डॉ. एन.पी. शुक्ला राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, विज्ञान भारती
प्रो. प्रमोद के. वर्मा प्रोफेसर, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)
प्रो. सुनीता शर्मा अध्यक्ष, विज्ञान भारती, महाकौशल प्रांत
इंजी. अमोघ गुप्ता अध्यक्ष, विज्ञान भारती, मध्यभारत प्रांत
डॉ. त्रिपता ठाकुर निदेशक, एनपीटीआई

आयोजन सचिव

इंजी. प्रजातंत्र गंगेले प्रांत संगठन मंत्री, विज्ञान भारती, मालवा प्रांत
डॉ. प्रवीण दिघर्रा वरिष्ठ वैज्ञानिक, एमपीसीएसटी, मध्यप्रदेश सरकार
डॉ. अजय कुमार कुशवाहा सहायक प्रध्यापक, आईआईटी, इन्दौर

आयोजन महासचिव

डॉ. संतोष कुमार विश्वकर्मा सह-प्रध्यापक, आईआईटी, इन्दौर
डॉ. प्रशांत कोडगीरे सह-प्रध्यापक, आईआईटी, इन्दौर
डॉ. राजेश शर्मा प्रध्यापक, दे.अ.वि.वि., इन्दौर (म.प्र.)

सचिव

डॉ. राजीव दीक्षित डीसीडीसी, दे.अ.वि.वि., इन्दौर (म.प्र.)
डॉ. रश्मी दाहिमा सहायक प्रध्यापक, दे.अ.वि.वि., इन्दौर (म.प्र.)
डॉ. वैभव नीमा सहायक प्रध्यापक, आईईटी, दे.अ.वि.वि., इन्दौर (म.प्र.)
इंजी. मनीष शाह विज्ञान भारती, मालवा प्रांत
श्री संजय कौरव सचिव, विज्ञान भारती, मध्यभारत प्रांत
डॉ. रजनीश त्रिवेदी सचिव, विज्ञान भारती, मालवा प्रांत

सदस्य

डॉ. जे.पी. शुक्ला वरिष्ठ वैज्ञानिक, एम्प्री भोपाल
डॉ. एम.एम.पी. श्रीवास्तव कार्यकारी सदस्य, सचिव, विज्ञान भारती, मालवा प्रांत
डॉ. के. वेंकेंटा रमन कार्यकारी सदस्य, सचिव, विज्ञान भारती, मालवा प्रांत
डॉ. प्रमोद सेठिया विभाग सयोजक, मालवा प्रांत
डॉ. सोनाली नरगुंदे सहायक प्रध्यापक, दे.अ.वि.वि., इन्दौर (म.प्र.)
डॉ. चंदन गुप्ताा प्रध्यापक, दे.अ.वि.वि., इन्दौर (म.प्र.)
इंजी. पराग अग्रवाल शासकीय इंजी. कॉलेज उज्जैन

शोधपत्र सारांश और प्रौद्योगिकी के लिए आमंत्रण

शोधपत्र सारांश और प्रौद्योगिकी प्रस्तुत करने के लिए शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों, छात्रों, व्यवसायिक व्यक्तियों और विद्यार्थियों को आमंत्रित किया जायेगा। सभी शोधपत्र सारांश आई.एस.बी.एन. स्मारिका में प्रकाशित किए जायेगे।

महत्वपूर्ण तिथियाँ:

- प्रेषित का अंतिम तिथि: 10 दिसम्बर, 2021
- स्वीकृति की सूचना: 13 दिसम्बर, 2021

शोधपत्र सारांश प्रेषित करने का निर्देश:

शोधपत्र सारांश और प्रौद्योगिकी एकल कॉलम पीडीएफ प्रारूप में MPVS –2021 के ऑनलाइन माध्यम से प्रस्तुत की जानी चाहिए। कागज की लंबाई एक पृष्ठ (ए 4 आकार) से अधिक नहीं होनी चाहिए। शब्द प्रणाली न्यू टाइम्स रोमन का होना चाहिए और फोंट साईज 10 होगा। एक से अधिक शोधपत्र प्रस्तुत करने वाले लेखक के लिए, प्रत्येक शोधपत्र को अलग से पंजीकृत करना और प्रस्तुत करना अनिवार्य है। विवरण प्रस्तुत करने के लिए, कृपया वेबपेज www.mpvs.in देखें।

प्रौद्योगिकी के लिए प्रेषित करने का निर्देश:

प्रौद्योगिकी लिखित रूप में या ईमेल (madhyapradeshvs@gmail.com) के माध्यम से प्रस्तुत कि जा सकती है। जो व्यक्ति ईमेल अथवा लिखित रूप से अपना विचार लिखने या भेजने में सक्षम नहीं हैं, वे 5 मिनट के वीडियो के रूप में अपने नाम, पते और मोबाइल नंबर के साथ व्हाट्सएप 88238 17777 पर अपनी तकनीक जमा कर सकते हैं। विवरण प्रस्तुत करने के लिए, कृपया MPVS –2021 वेबपेज www.mpvs.in देखें।

पुरस्कार और पारितोषिक

- 51 सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार रु. 1100 /– और प्रमाण पत्र प्रत्येक सत्र में 3।
- एक सर्वश्रेष्ठ प्रौद्योगिकी पुरस्कार रु. 21,000 /– और प्रमाण पत्र।
- दो सर्वश्रेष्ठ प्रोत्साहन प्रौद्योगिकी पुरस्कार रु. 11,000 /– और प्रमाण पत्र।
- 52 प्रौद्योगिकी पुरस्कार रु. 1100 /– और प्रमाण पत्र (मध्यप्रदेश के प्रत्येक जिले के लिए एक)।

पंजीयन शुल्क

पंजीयन शुल्क में MPVS–2021 के समस्त सत्रों एवं कॉन्क्लेव में सहभागिता प्रदान की जाती है। आवेदन कर्ता को कम से कम एक श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

Category	Fee (Rs.)	Late Fee (Rs.)
Non-Academic and Non-Industry + Student up to 12th	FREE	FREE
Students (UG/PG/Ph.D)	250	350
Others (Faculty/Scientist/Industry/Postdoc)	500	700

पंजीयन की अंतिम तिथि: 10 दिसम्बर, 2021 (उसके बाद विलंब शुल्क लागू होगा)।

MPVS –2021 वेबपेज (www.mpvs.in) पर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए, प्रतिभागी को निम्नलिखित बैंक खाते में पंजीकरण शुल्क का भुगतान करना होगा।

**** खाता विवरण:**

बैंक का नाम	:	भारतीय स्टेट बैंक
खाता नाम	:	**मालवा विज्ञान परिषद**
खाता संख्या	:	3203 9781 414
खाता प्रकार	:	बचत
शाखा का नाम	:	होलकर साइंस कॉलेज, इंदौर
IFSC Code	:	SBIN 0030 467

NAME: MALWA VIGYAN PARISHAD SAMITI
UPI ID: MALWAVPS@SBI
SCAN & PAY

स्पांसरशिप

विज्ञान सम्मेलन मध्यप्रदेश के विभिन्न स्थानों से शिक्षाविदों, शोध संस्थानों, उद्योगों, छात्र प्रतिनिधियों, सरकारी अधिकारियों, लाभार्थी, स्टार्टअप्स, ग्रामीण प्रौद्योगिकी, पारंपरिक ज्ञान प्रणाली क्षेत्र के लगभग 10000 से अधिक प्रतिभागीयों के भाग लेने की उम्मीद है। यह आपके व्यवसाय/उत्पाद/सेवाओं का प्रदर्शन करने के लिए एक आकर्षक मंच होगा;

***प्रायोजक दरें:**

Particulars	Amount (Rs.)
Silicon Sponsor	10,00,000/-
Platinum Sponsor	7,00,000/-
Gold Sponsor	5,00,000/-
Silver Sponsor	3,00,000/-
Bronze Sponsor	2,00,000/-
Session Sponsor	1,00,000/-

* Taxes at actual will be extra

**स्पांसरशिप का पेमेंट आप ऊपर दिए गए खाता क्रं. में जमा करे। प्रायोजक (स्पांसरशिप) के समस्त लाभ सम्मेलन की वेबसाईट पर उपलब्ध है।

एमपीवीएस – 2021 एक्सपो

MPVS-2021 एक्सपो 22–25 दिसम्बर, 2021 को IIT इंदौर में हाईब्रिड मोड में आयोजित किया जाएगा। प्रदर्शनी प्रतिभागियों को पारंपरिक और आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विचारों का आदान–प्रदान करने का अवसर प्रदान करने के लिए एक अनूठा मंच और सम्मलेन का प्रमुख आकर्षण होगा।

प्रदर्शनी में रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO), भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO), विश्वविद्यालयों/संस्थानों, IIT, NIT, IIITr, IISERr, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR), राजा रमन्ना जैसे संगठनों के विभिन्न स्टॉल सेंटर फॉर एडवांस्ड टेनोलॉजी (आरआरसीएटी), उद्योग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST), जैव प्रौद्योगिकी विभाग (DBT), एमपीसीएसटी और विभिन्न स्टार्टअप और इनोवेटर के स्टॉल होंगे।

प्रदर्शनी में विचारों और नवाचारों को प्रदर्शित करने के लिए व्यक्तिगत या टीम के रूप में आमंत्रित किया जाएगा।

- अपने पारंपरिक ज्ञान का प्रदर्शन करने के लिए
- अपनी तकनीक का प्रदर्शन करने के लिए
- मेंटरशिप हासिल करने के लिए
- मान्यता प्राप्त करने तथा पुरस्कार प्राप्त करने के लिए
- स्टार्टअप और नवाचार हेतु आर्थिक सहायता प्राप्त करने के लिए

प्रदर्शनी दरें:

प्रदर्शनी में स्टॉल उपलब्ध होगा जहां पर संस्थान/संगठन हाइलाइट्स/प्रोटोटाइप/उत्पादों और विचारों को डिजिटल प्रारूप में प्रदर्शित किया जा सकता है।

- अकादमी और उद्योग के लिए प्रति स्टॉल रु 40,000/–
- नि: शुल्क: गैर–शैक्षणिक और गैर–उद्योग के लिए

एक्सपो भ्रमण:

एक्सपो भ्रमण हेतु पंजीकरण MPVS–2021 वेबपेज (www.mpvs.in) पर दिए गए लिंक पर पंजीकरण करना अनिवार्य होगा।

जो लोग ऑनलाइन पंजीकरण करने में सक्षम नहीं हैं, वे व्हाट्सएप के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं। आपको अपना नाम, पता और मोबाइल नंबर भेजना होगा। विस्तृत जानकारी के लिए, कृपया MPVS–2021 वेबपेज madhyapradeshvs@gmail.com **Phone:** 0731-6605111, **Mob.:** 88238 17777 देखें।

डॉ. थावरचंद गेहलोत जी
महामहीम राज्यपाल, कर्नाटक
तारा मंडल उज्जैन

डॉ. हर्षवर्धन जी
पूर्व स्वास्थ्य, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री
सीएसआईआर–एमपीआरआई भोपाल

श्री ओम प्रकाश सकलेचा जी
सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री
एमपीसीएसटी, भोपाल

मध्यप्रदेश विज्ञान सम्मेलन और प्रर्दशनी (MPVS-2021)

श्री तुलसीराम सिलावट जी
जल संसाधन, मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास मंत्री
आईआईटी इन्दौर

सुश्री उषा ठाकुर जी
पर्यटन, संस्कृति एवं आध्यात्म मंत्री
आईआईटी इन्दौर

श्री मोहन यादव जी
उच्च शिक्षा विभाग मंत्री
माधव कॉलेज, उज्जैन

श्री ब्रजेन्द्र सिंह यादव जी
लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी मंत्री (म.प्र.)
शासकीय उत्कृष्ट हा.से. स्कूल, शाजापुर

श्री हरदीप सिंह डंग जी
नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा एवं पर्यावरण मंत्री
सरस्वती शिशु मंदिर, सुवासरा, मंदसौर

श्री जगदीश देवदा जी
वाणिज्यक कर, वित्त, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी मंत्री
उज्जैन इंजी. कॉलेज, उज्जैन

श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया जी
खेल एवं युवा कल्याण, तकनीकी शिक्षा कौशल
विकास एवं रोजगार मंत्री, आगर मालवा

शासकीय मॉडल साईंस कॉलेज,
रीवा

शासकीय पीजी कॉलेज,
मुरैना

आईटीआई से आईआईटी: सहयोगी पारिस्थितिकी तंत्र

दे.अ.वि.वि., इन्दौर

म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, भोपाल

जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

एस.जी.एस.आई.टी.एस., इन्दौर

महात्मा गाँधी सी.जी.वि.वि.,
चित्रकूट

शासकीय होल्कर विज्ञान कॉलेज,
इन्दौर

वैष्णव माता आईटीआई,
पन्ना

श्री कृष्णा यूनिवर्सिटी (एसकेयू)
छतरपुर

पाटीदार हा.से. स्कूल,
धार

शासकीय कॉलेज
निवाड़ी

स्वरुप विद्या निकेतन
भिंड

शासकीय गर्ल्स हा.से. स्कूल संजीत
मंदसौर

एसएटीआई
विदिशा

कमला मेमोरियल कॉलेज,
सीधी

Print Solutions 98260 92006

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर

खंडवा रोड, सिमरोल, इंदौर 453 552 भारत

Ph: 0731 - 6603301 • Email: madhyapradeshvs@gmail.com

• Web: www.mpvs.in

Visit us at: www.mpvs.in

मालवा प्रांत विज्ञान भारती

501, किंग टॉवर, नवलखाँ चौराहा, रिलायंस फ्रेश के पीछे, इंदौर (म.प्र.) 452 001

Mob.: 88238 17777 • Email: vibha.mvps@gmail.com

• Web: www.vigyanbharatimp.in